



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life



Cadaver Organ Donor

Lt. Gitesh Chandravadan Modi

Donated his : Kidney, Liver & Cornea

Date:- 28/06/2021

DONATE LIFE™
an initiative for organ donation

" जीते जी रक्तान, ब्रेनडे के बाद, किडनी, लिवर, हृदयादान..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life



Gitesh Modi had met with an accident on June 23. His family (inset)

Zindagi ke saath bhi, zindagi ke baad bhi

In keeping with his wishes, Surat family of brain dead LIC agent donate his kidneys, liver, eyes to 5 persons

| Gaurav Khara

feedback@ahmedabadmirror.com

TWEETS @ahmedabadmirror

In the past 21 days, five brain dead persons from South Gujarat donated 27 organs including heart, lung, kidney, liver and eyes thereby giving new lease of life to 27 organ failure patients from different states

In the latest case of organ donation, the family of a 50-year-old LIC agent named Gitesh Chandravadan Modi decided to donate his organs after he was declared brain dead by the doctors.

Along with insurance work, Modi had volunteered to work for organ donation at the Donate Life organisation in Surat.

Modi who belongs to Surti Modh Vanik Samaj met with an accident on June 23, after which he was declared brain dead during treatment. The decision to donate his organs was taken by the Modi family. This helped five persons who received Modi's kidneys, liver and eyes.

One kidney of the deceased was transplanted at IKDRC Hospital, Ahmedabad and the other at Zydus Hospital, while the liver was transplanted at CIMS Hospital.

" जीते जी रक्तान, ब्रेनडेड के बाट किडनी, लिवर, हृदयाटान..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

Brain-dead accident victim's organs to give new life to five

TIMES NEWS NETWORK

Surat: Surat: Organs from a 50-year-old accident victim from Surat will give new life to five persons.



Gitesh Modi, a resident of Kotyark Nagar in Rander area of Surat city, suffered severe injuries after he was hit by an unidentified vehicle while riding a motorcycle on Ring Road in Surat on June 23.

According to sources, Modi fell unconscious after the accident and an ambulance passing by took him to the nearby hospital. The doctors at the hospital found that he had suffered a brain haemorrhage. Surgery was performed and blood clots were removed on June 27. However, after the surgery the doctors declared Modi as brain-dead.

Modi was active in promoting cadaver donation throughout his life. He used to organize cadaver donation awareness programmes at various



Surgery was performed and blood clots removed on June 27

institutions.

"As soon as Modi was declared brain-dead, his brother-in-law Rajesh Dhabuwala and his wife Rinku contacted us for cadaver donation," Nilesh Mandlewala, Founder of Donate Life, told TOI.

"My husband devoted his life to creating awareness about cadaver donations. Like him, we also want to see smiles on the faces of those patients who are in urgent need of organs. This would be a real tribute to him," said Modi's wife Rinku (45).

Modi is survived by his wi-

fe (45), daughter Dr Mona Patel (27) who is settled in Canada and son Rishi Modi (22), who studies in Canada.

"As there were no patients in need of a heart or lung in Gujarat, the State Organ and Tissue Transplant Organisation (SOTTO) informed ROTTO (Regional Organ and Tissue Transplant Organisation) in Mumbai. But as there was no requirement, the heart and lungs were allotted to one patient in Hyderabad," said Mandlewala.

However, as the heart was not in a condition to be transplanted, the lung also could not be used as both organs were allotted to one person, added Mandlewala.

The liver was transplanted into a 54-year-old man from Nadiad under treatment in Ahmedabad. One kidney was given to a 45-year-old man from Bharuch and another to the Institute of Kidney Diseases and Research Centre (IKDRC) for transplant. Two corneas were donated to Surat-based Lok Drishti Eye bank.

"जीते जी रक्तान, ब्रेनडेड के बाट किडनी, लिवर, हृदयाटान..."



Accident victim's organs give life to 5

TIMES NEWS NETWORK

Surat: Organs from a 50-year-old accident victim from Surat will give new life to five persons.

Gitesh Modi, a resident of Kotyark Nagar in Rander area of Surat city, suffered severe injuries after he was hit by an unidentified vehicle while riding a motorcycle on Ring Road in Surat on June 23.

According to sour-

ces, Modi fell unconscious after the accident and suffered a brain hemorrhage. Surgery was performed and blood clots were removed on June 27. However, after the surgery the doctors declared Modi as brain-dead.

"As soon as Modi was declared brain-dead, his brother-in-law Rajesh Dhabuwala and his wife Rinku contacted us for cadaver donation," Nilesh Mandlewala, Founder of Donate Life, told TOI.

Modi is survived by his wife and daughter.



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

अंगदान के लिए काम करने वालों ने ही अंगदान किए, किडनी, लीवर और आंखें दान कीं और पांचों को नया जीवन दिया

**274 किमी दूर सूरत से
अहमदाबाद तक ग्रीन
कॉरिडोर के जरिए
अंगदान किया गया**

लोकतेज संवाददाता

सूरत। पूरे देश के लिए प्रेरणास्पोत डोनेट लाईफ संस्था सूरत से लगातार अंगदान की धारा बह रही है। अंगदान के लिए काम करने वाले डोनेट लाईफ संस्था के स्वयंसेवक के रूप में कार्यरत सुरती मोढ़ बाणिक समाज के गीतेश चंद्रबदन मोदी को दुर्घटना के बाद ब्रेनडेड घोषित कर दिया गया। परिवार ने सहमति देने पर पांच व्यक्तियों को पुनर्जीवित करके मानवता की सुगंध फैलाने और समाज को एक नई दिशा दिखाने के लिए गुरुं, यकृत और आंखें दान कर दिए।

मृतक की एक किडनी अहमदाबाद के आईकेडीआरसी अस्पताल में और दूसरी किडनी को जाइडस अस्पताल में अंग विफलता के मरीज में ट्रांसप्लांट किया गया था, जबकि सिम्स अस्पताल में लीवर ट्रांसप्लांट किया गया था।



23 जून की सुबह 11.15 बजे गीतेशभाई मोटरसाइकिल से स्टेशन जा रहे थे। रिंग रोड कृषि बाजार के सामने फ्लाईओवर पर एक अज्ञात चालक ने बाईक को टक्कर मार दी, मोटरसाइकिल से गीतेश गिर गया और सिर में गंभीर चोटों के साथ बेहोश हो गया।

वहां से गुजर रही एंबुलेंस ने उसे बीनस अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज किया गया। निदान के लिए सीटी स्कैन से पता चला कि ब्रेन हेमरेज के कारण मरिट्रिक में रक्त का थक्का जम गया है। न्यूरोसर्जन डॉ. जेनेल गुरनानी ने मरिट्रिक में रक्त के थक्के को हटाने के लिए एक

क्रैनियोटॉमी की।

27 जून को न्यूरोसर्जन डॉ. जनिल गुरनानी, न्यूरोफिजिशियन डॉ. गौरांग घीवाला, फिजिशियन डॉ. निखिल जरीवाला, इंटेंसिविस्ट डॉ. प्रेक्षा गोयल ने गीतेश को ब्रेनडेड घोषित किया। गीतेश के दामाद राजेश कुमार वेनीलाल ढबूवाला ने डोनेट लाईफ के अध्यक्ष नीलेश मंडलेवाला को फोन किया और उन्हें गीतेश के ब्रेनडेड और उनकी पत्नी के अंग दान करने की इच्छा के बारे में बताया। ब्रेनडेड गीतेश के अंगदान से पांच जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन प्रदान किया गया।

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृत्याटान..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

ऑर्गन डोनेशन • ब्रेनडेड गीतेश का लिवर, किडनी और आंखें परिजनों ने दान की अंगदान के लिए लोगों को प्रेरित करने वाले गीतेश पांच को दे गए नई जिंदगी

सिटी रिपोर्टर | सूरत

श्री सुरती मोहू वर्णिक समाज के ब्रेनडेड और डोनेट लाइफ के स्वयंसेवक गीतेश चंद्रवदन मोदी के परिवार ने उनके किडनी, लिवर और आंखें दान कर पांच लोगों के जीवन दान दिया। किडनी और लिवर सदृकमार्ग से ग्रीन कॉरिंडोर कर अहमदाबाद पहुंचाए गए। जहां दोनों किडनी में से एक किडनी भरूच के 45 वर्षीय व्यक्ति में और दूसरी किडनी एक जरूरतमंद व्यक्ति में ट्रांसप्लांट की गई। लिवर नडियाद के 54 वर्षीय व्यक्ति में ट्रांसप्लांट किया गया। नेत्र दान सूरत की संस्था लोकदृष्टि चक्षु बैंक ने स्वीकार किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रांदेर रोड नवयुग कॉलेज के सामने स्थित कोटायाक नगर निवासी गीतेश चंद्रवदन मोदी (50) 23 जून को सुबह 11 बजे बाइक से स्टेशन की ओर जा रहे थे। जब वह रिंगरोड स्थित कृषि बाजार के सामने फ्लाइओवर से गुजर रहे थे, तभी किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे नीचे गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गए गीतेश को उपचार के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां सिटी स्कैन की जांच में दिमाग में रक्त जमाव होने का पता चला। डॉक्टर ने केन्योटोमी कर दिमाग में जमा रक्त को बाहर निकाल दिया। 27 जून को डॉक्टरों ने गीतेश को ब्रेनडेड घोषित कर दिया। डोनेट लाइफ की टीम ने अस्पताल पहुंचकर गीतेश की पल्नी रिकू, पुत्र रिशी, बेटी माना सहित परिवार के सदस्यों को ऑर्गन डोनेट के महत्व के बारे में समझाया। परिवार ने ब्रेनडेड गीतेश की किडनी, लिवर और नेत्रदान किए।



ब्रेनडेड गीतेश मोदी के परिजन अस्पताल में दुख- संवेदना व्यक्त करते हुए।

संस्था ने एक स्वयंसेवक खो दिया है: मांडलेवाला

डोनेट लाइफ के नीलेश मांडलेवाला ने कहा कि संस्था ने अपना एक स्वयंसेवक खो दिया है। यह स्वयंसेवक समाज में अंगदान के बारे में लोगों को जागरूकता फैलाकर जरूरतमंदों रोगियों और उनके परिवारों के चेहरों पर मुस्कान लाना चाहता था। आज उसकी मृत्यु के बाद उसके अंगों के दान से पांच अन्य लोगों को नया जीवन मिला है। इससे उनके परिवारों के चेहरों पर मुस्कान आई है। ऐसे स्वयंसेवक की कमी हमेशा सतती रहेगी।

दूसरी लहर के बाद साउथ गुजरात से 27 अंगदान

कोरोना की दूसरी लहर के बाद देश में बहुत ही कम अंगदान है। वहीं डोनेट लाइफ ने पिछले 21 दिनों में ब्रेनडेड व्यक्तियों के परिजनों को समझाकर हृदय, फेफड़े, 10 किडनी, 5 लिवर, 8 चक्षु सहित कुल 27 अंगदान प्राप्त किए हैं। साथ ही संस्था ने अब तक 392 किडनी, 162 लिवर, 8 पेंक्रियोज, 33 हृदय, 14 फेफड़े और 294 नेत्र सहित कुल 901 अंगों का दान प्राप्त किया। इनमें 829 लोगों को नया जीवन और रोशनी मिली है।

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



ब्रैनडेड घोषित व्यक्ति के अंगदान से पांच जनों को मिला नया जीवन

► सूरत में तीन सप्ताह में अंगदान की पांचवीं घटना

वीओटी संवाददाता

सूरत, 29 जून

ब्रैनडेड घोषित 50 वर्षीय व्यक्ति के विविध अंगों दान से पांच परिवारों में खुशी छायी है। सूरत में अंगदान को लेकर जागृति बढ़ रही है, बीते तीन सप्ताह के दौरान अंगदान की पांच घटनाओं से विविध राज्यों के 27 व्यक्तियों को नया जीवन मिला है।

शहर में रांदेर रोड निवासी गीतेश चंद्रवदन मोदी (उम्र: 50) बीते सप्ताह 23 जून को अपनी मोटरसाइकिल पर जा रहे थे उस दौरान अकस्मात होने पर वे गिर गए थे एवं उन्हें सिर पर गंभीर चोट लगी थी। उन्हें उपचार के लिए विनस अस्पताल में भर्ती



कराया गया था। उपचार के दौरान अस्पताल के डॉक्टरों ने गतरोज उन्हें ब्रैनडेड घोषित किया था। डोनेट लाइफ के निलेशभाई मांडलेवाला ने कहा कि गीतेशभाई डोनेट लाइफ संस्था के स्वयं सेवक रहे थे। वे खुद भी समाज में अंगदान के लिए जागरूकता फैलाने का कार्य करते थे। ब्रैनडेड घोषित होने पर उनकी पत्नी रिकू ने उनके अंगों का दान करने का निर्णय किया। गीतेशभाई की दो किडनी, लीवर और चक्षुओं के दान से पांच जरूरतमंड

व्यक्तियों को नया जीवन मिला है। उनकी एक किडनी अहमदाबाद की आईकेडीआरसी और दूसरी किडनी जायडस अस्पताल में जरूरतमंद मरीजों में प्रत्यारोपित की गई। लीवर का प्रत्यारोपण सीम्स अस्पताल में मरीज को प्रत्यारोपित किया गया। किडनी व लीवर समय पर अस्पताल पहुंचाने के लिए सूरत से अहमदाबाद 274 किमी मार्ग को ग्रीन कोरिडोर बनाया गया था। उनकी आंखों का दान लोकदृष्टि चक्षु बैंक ने स्वीकार किया।



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

शहर और ग्राम्य पुलिस की मदद से ग्रीन कॉरिडोर में
किडनी और लीवर को सूरत से पहुंचाया अहमदाबाद

सड़क दुर्घटना में ब्रेनडेड व्यक्ति के अंगदान से पांच को मिला जीवनदान



सूरत, गोदर रोड कोटयाकर नगर निवासी व्यक्ति 23 जून को मोटरसाइकिल पर स्टेशन जाते समय पलाईओवर ब्रिज पर वाहन की चपेट में आयल हो गए थे। इलाज के दौरान चिकित्सकों ने उनको ब्रेनडेड घोषित किया। इसके बाद परिजनों ने अंगदान का निर्णय किया।

गोदर नवयुग कलेज के यास कोटयाकर नगर निवासी गौतेश चन्द्रवदन मोदी (50) पाइप और सेनेटरी फिटिंग्स का ट्रेडिंग और बीमा प्लॉट के तौर पर कार्य करते थे। वह 23 जून को किसी काम से मोटरसाइकिल पर स्टेशन की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रिंगरोड कृषि बाजार के सामने पलाई ओवरब्रिज पर एक अवात वाहन ने उनको टक्कर मार दी। उन्हें तुरंत इलाज के लिए बिनम अस्पताल में भर्ती कराया गया। सौटी स्केन रिपोर्ट में दिमाग में रक्त की गांठ जमा होने की पुष्टि हुई। न्यूरोसर्जन डॉ. जेनील गुनानी ने आंपेशन किया, लेकिन तबीयत में सुधार नहीं हुआ। चिकित्सकों ने गौतेश को 27 जून को ब्रेनडेड घोषित कर दिया। मृचना मिलने पर डोनेट लाइफ प्रमुख निलेश मांडलोवाला पहुंचे। उन्हांने स्टेट ऑर्गन एंड ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन (एसओटीटीओ) की कन्वीनर डॉ. प्रांजल मोदी से सम्पर्क किया। इसके बाद हृदय और फेफड़े ट्रांसप्लांट के लिए हेदराबाद किम्स अस्पताल को दिया गया। वहीं, लीवर अहमदाबाद

की सिम्म अस्पताल, एक किडनी अहमदाबाद के जायडस अस्पताल और दूसरी किडनी अहमदाबाद इस्टचूट ऑफ किडनी डिजिज एंड रिसर्च सेंटर को दिया गया। लेकिन हेदराबाद से डॉक्टरों की टीम सूरत पहुंची तो उन्होंने जांच के बाद हृदय और फेफड़े खराब होने के कारण स्वीकार नहीं किया। जबकि चक्षुओं का दान लोकद्वारा चक्षुबैंक के प्रफुल शिरोया ने स्वीकार किया। दान में मिली एक किडनी भर्च निवासी 45 वर्षीय व्यक्ति, दूसरी किडनी आइकेडीआरसी में एक मरीज में ट्रांसप्लांट की गई। इसके अलावा लीवर निडियाद निवासी 54 वर्षीय व्यक्ति में ट्रांसप्लांट किया गया है।

21 दिन में अंगदान का पांचवां मामला: कोरोना के बाद के बाद देश में अंगदान की घटनाएं काफी कम हो गई हैं। लेकिन सूरत में डोनेट लाइफ की टीम ने दूसरी लहर के 21 दिन में 5 ब्रेनडेड व्यक्तियों के परिवार से मुलाकात कर उन्हें अंगदान के लिए तैयार किया। इससे 2 हृदय, 2 फेफड़े, 10 किडनी, 5 लीवर और 8 चक्षुओं समेत कुल 27 अंगदान में लेकर 27 जनों को नई जिंदगी देने का प्रयास किया है। अब तक दक्षिण गुजरात से डोनेट लाइफ ने 392 किडनी, 162 लीवर, 8 पैन्क्रीज, 33 फेफड़े, 14 फेफड़े और 294 चक्षुओं समेत 901 अंगों का दान लेकर 829 लोगों को नया जीवन दिया है।

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



‘કી મર કે ભી કિસીકો યાદ આયેંગે...’ પંક્તિઓને
સાર્થક કરતા બ્રેઇનડેડ સ્વ. ગીતેશ મોટી



- સુરતના મોદી પરિવારે ગીતેશભાઈની કિડની, લિંપર અને ચક્કુઓનું દાન કરી સમાજને નવી દિશા ચીધી
 - ‘અંગદાન.. જીવનદાન’: છેલ્લા ૨૧ દિવસમાં દક્ષિણ ગુજરાતમાંથી પાંચમું અંગદાન

भूरेत: 'की भर के बी उसीको
पाद आयेंगे, उसी के अंतर्गतों में
मुख्यायेंगे, उसेहा कुल हरे कली
ते भार-भार, जैना हिन्दूजा नाम
हे...' सुपरस्टर राज कपूरनी
अनाधि हिन्दूना आ पंजिस्तोंने
सार्वक उत्तरा नुस्खायासों प्रोटोनेड
स्व. अतीत यादीना परिवार
तेमना अंगोनु दृश्य करी पांच
वजिस्तोंने नवजीवन आधारने
तेमना परिवारकोनोना मुख पर
द्वित देखायु के. ओरजन धैनेशन
माटे माध्यम लुरतनी संख्या प्रेनेट

લાઈફના સ્વરૂપનેથી
સ્વરૂપનેથાઈ દુનિયાને
અખ્યાતિદા ક્રમો ભાદ પણ અન્યોધો
સહિત જીવની રહેશે. સુરતી મોક
વાણિક સમાજના મોકી પરિવારે
પોતાના સ્વરૂપના ડિકની, લિયર
અને ચાલુઓનું દાન કરી
માનવતાની મહૂક કેદારી
સમાજને નવી હિસા બીજી છે.
છેલ્લા २१ હિસયાં સુરત અને
અંકુષેશરથી પાંચથું અંગરાન થયું
છે.

લાઈના માટ્યમણી સમજમાં
અંગરદાન કેવેની જુનાનુંનિના
ક્રાંતિમાં સેવારત હતો. તેઓ
ઓર્ગન નિષ્ઠળતાના દર્શાવો અને
તેમના પરિવારને લોકપ્રકૃતિ
થયાના અનેક ક્રાંતિમાં નિમિત્ત
જન્મો, પરંતુ આ જ રસ્તે ચાલી
તેવો મુશ્કુ પાણીને પણ અંગરદાન
થડી બીજી પાંચ વર્ષનીંને નથું
જીવન આપતી રહ્યાં.

સ્વ.ગીતશ મોટાને તા.૨૩
જુનના રોજ ચેડ અક્ષણમાત્રમાં
મગજમાં અંગેર હુલા પણ
મુરતની વિનસ લોહિણટખમાં
ધાનથ કરાયા હતો. ૦૪ વિનસની
સારવાર ભાડ તા.૨૭ જુનના રોજ
પ્રેકટરોને બેઠિન્ડે જાહેર કરતો
તેમની પણી રિન્ડુ અને પરિવારે
ગીતશના અંગદાનની નિર્ઝાય
દીપો. બેઠિન્ડે વ્યક્તિના
પરિવારને અંગદાન માટે
સુધ્રાત્મય પણાં હોય છે, પણ
મોટી પરિવાર અંગદાનની સુધે

પરિવિષ્ટ હતો. જે કાર્ય માટે
ગોતેશબાઈ સમર્પિત હતો, જે જ
કર્યાની જ્યાબદારી નિભાવણાની
અજ્ઞ આવી, પછી મોટી પરિવારે
જાગ્ય વાર લગ્નાદ્યા વિના સમાચિ
માપી. પોતાના સ્વધારના
એંજાઇન થકી પોતાની માતુસંસ્થા
એનેટ લાઈફના માયાપદ્ધતિ
ગોતેશની ખે કિંની, વિષય અને
યત્નાનોનું દાન કરવામાં આવ્ય,
જેણા કારા પંચ જરૂરિયાતમંદ
દાયોને નયાજીવન મળ્યું.

સ્વ.ગોતેશની એક કિંનીનું
ડ્રાન્સપલાન્ટ અમદાવાદની
ઈન્ફીટ્યુટ ઓફ કિંની
લિયેન્જરિસ એન્ડ રિસર્ચ્ સેન્ટર
લોલિટલમાં અને બીજી કિંનીનું
ડ્રાન્સપલાન્ટ અમદાવાદની
પ્રાયુક્ત લોલિટલમાં જ્યારે
હિસ્પરન્યુ ડ્રાન્સપલાન્ટ
અમદાવાદની સૌસ લોલિટલમાં
જાતું જરૂરિયાતમંદ દાયોનો
કરવામાં આવ્ય. કિંની અને

ખીંબર સમયસર અમદાવાદ
પોંચેલાયા માટે સુરતની વિનસ
ઓલિનટલાયી અમદાવાદની સીમા
ઓલિનટલ લુધીના ૨૭૪
કિ.મી.ના માર્ગને ત્રીજી કોડિનેર
અનાયાસે હતો, જેમાં રાષ્ટ્રના
વિવિધ શહેર અને ગ્રામ્ય
પોણીસુને સંકાર સાંપર્યે હતો.
નોંધનીય છે કે, ઓલિન
મહામારીની બીજી લહેર પણી
દેશભરમાં અંગરાનનું પ્રમાત્ર ખાલ
જ રહેણું રહ્યું છે, ત્યારે કેનટ
લાઈફ લાય છલા ૨૧ દિવસમાં
દશિષ્ઠ જુજારાતાંથી પાંચ
ઓફિન્ડ વિભિન્નાં અંગરાન
કરાયા છે. તેમાંના પરિવારજનાને
સમજ આપી ર હૃદય, ર કંસા,
૧૦ કિંની, પ ખીંબર અને ૮
બદ્ધાંનો સહિત કુલ ૨૭ અંગે અને
દીસુઝાનો દાન મેળવી કેનના
વિવિધ રાષ્ટ્રોના કુલ ૨૭ ઓર્ગન
નિર્ધારનાના દર્દીઓને નનું જીવન
આપાવામણ સંકૃતાત મળી છે.



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

સુરતની ડોનેટ લાઈફના સ્વયંસેવકના અવયવદાનથી પાંચ વ્યક્તિને નવજીવન

અમારા પ્રતિનિધિ તરફથી
સુરત, તા. રાટ : સુરતની ડોનેટ
લાઈફના સ્વયંસેવક અને મોડ
વણિક સમાજના બ્રેઇનડેડ ગીતેશ
મોઢી પરિવારે તેમનાં કિડની,
લિવર અને ચ્યાન્ઝોનું દાન કરી
પાંચ વ્યક્તિને નવજીવન બધી
માનવતાની મહેક ફેલાવી સમાજને
નવી દિશા બતાવી છે.

શહેરના રિંગ રોડ કુપિ બજાર
સામેના ફિલાય ઓવર બ્લિંગ પર
એક અજ્ઞાયા વાહનચાલકે ટક્કર
મારતા ગીતેશ ચંદ્રવદન મોઢી
મોટરસાઈકલ પરથી પડી ગયા
હતા અને માથાના ભાગે ગંભીર
છજાઓ થવાથી બેખાન થઈ ગયા
હતા. ત્યાં થી પસાર થતી
એ મ્યુલનસે તેને તાત્કાલિક
નજીકની ખાનગી હોસ્પિટલમાં
દાખલ કરી સારવાર થર્ચુ કરવામાં
આવી હતી. સીટી સ્કેન કરવાતાં
બ્રેઇન હેમરેજને કારણે મગજમાં
લોહીનો ગઢો જામી ગયો હોવાનું



નિદાન થયું હતું.

ગીતેશમાઈનું કેન્યોટોમી કરી
મગજમાંથી જામેલો લોહીનો ગઢો
દૂર કરાયો હતો, પરસુ બ્રેઇનડેડ
જાહેર કરાયા હતા.

ગીતેશ મોઢીના પરિવારે ડોનેટ
લાઈફના પ્રમુખ નિલે શ
માડલેવાલાનો સંપર્ક કરી બ્રેઇનડેડ
ગીતેશનાં પત્નીએ અવયવદાનની
ઈન્ફ્રા વ્યક્ત કરી હતી. પરિવાર
તરફથી અંગદાનની સંમતિ મળતાં
દાનમાં મળેલી બે કિડની પૈકી એક
કિડની ભર્યાના ફ્રેન્ડ વર્ષની

૨૬૪, ફેફસાં, ૧૦ કિડની, ૫
લિવર અને ૮ ચ્યાન્ઝો સહિત કુલ
૨૭ અંગો અને ટિસ્યુઓના દાન
મેળવી દેશનાં વિવિધ રાજ્યોના
કુલ ૨૭ દર્દીઓને નવું જીવન
આપ્યું છે.

વ્યક્તિમાં જ્યારે બીજી કિડની
જરૂરિયાત મંદ વ્યક્તિમાં, લિવરનું
દ્રાન્સપલાન્ટ નહિયાદના ૫૪
વર્ષની વ્યક્તિને કરવામાં
આવ્યું છે.

અતે ઉલ્લેખનીય છે કે
કોવિડ-૧૯ની મહામારીની બીજી
લહેર પછી આખા દેશમાં
અવયવદાનનું પ્રમાણ ખૂબ જ
ઓછું છે. ત્યારે ડોનેટ લાઈફ દ્વારા
છેલ્લા એકવીજ દિવસમાં પાંચ
જો ઈન્ડ નડેડ વ્યક્તિઓ ના।
પરિવારજનો સાથે સમજાપા કેળવી

" જીતે જી રહ્યાના, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હલ્યાદાન..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life



'કી મર કે ભી કિસીકો યાદ આયેંગે...' પંક્તિઓને સાર્થક કરતા બ્રેઇનડેડ સ્વ.ગીતેશ મોટી

પબાચાર પ્રતિનિધિ, સુરત, તા. ૨૭
 'કી મર કે લી ડિસીકો યાદ આયેંગે, કિસીકે અંગદાઓ મે મુખ્યાંયેંગે, કહેગા કુલ કંઈ સે ભાર-ભાર જ્ઞા હસ્તીક નામ હે.' સુપરસ્ટેર રેજિ ક્રૂરૂની અનારી કિલની આ પંક્તિઓને સાર્થક કરતા સુરતવાસી બ્રેઇનડેડ સ્વ.ગીતેશ મોટીના પરિવારે તેમના અંગોનું દાન કરી પાંચ વ્યક્તિઓને નવજીવન આપીન તેમના પરિવારનોના મુખ પર સ્નેઇટ રેલાયુ છે. એગેન એનેશન માટે પ્રભ્યાત સુરતની સંસ્કા હેનેટ બાઈકના સ્વપ્નસેવક સ્વ.ગીતેશબાઈ ફિનિયાને અલવિદા કર્યો બાદ એસ અન્નારોમા સંકેરત જીવત રહેંશે. સુરતી મોહ વિલિક સમાજના મોટી પરિવારે પોતાના સ્વજનના ડિની, લિવર અને ચ્યાન્સોનું દાન કરવામાં આવ્યું. જેના દ્વારા પાંચ જરૂરિયાતમદ દારીઓને નવજીવન મળ્યું.

સ્વ.ગીતેશની એક ડિનીનું ટ્રાન્સલ્યાન્ડ અમદાવાદનો હિન્સ્ટાટપુર ઓક ડિની ડિસીકોસ એ રિસ્ક સેન્ટર હોસ્પિટલમાં અને બીજી ડિનીનું ટ્રાન્સલ્યાન્ડ અમદાવાદનો જાપડસ હોસ્પિટલમાં જ્યારે લિવરનું ટ્રાન્સલ્યાન્ડ અમદાવાદની સીલ્સ હોસ્પિટલમાં જ્યારો જરૂરિયાતમદ દારીઓમાં કરવામાં આવ્યું. ડિની અને લિવર સમયસર અમદાવાદ હોલ્ડિયાના માટે સુરતની વિનસ હોસ્પિટલથી અમદાવાદની સીલ્સ હોસ્પિટલ સુપીના ૨૭૪ ડિ.મી.ના માર્ગને ગ્રીન કોરિયેર બનાવાયો હતો, જેમાં ચાલ્યાના વિવિધ શહેર અને ગ્રામ પોલીસનો સહકાર સપદ્યો હતો.

નોંધનીય છે, કોરિડ મહામારીની બીજી લહુર પછી દેશભરમાં અંગધારનું પ્રમાણ મુખ જ ઓષ્ઠારું રહ્યું છે, ત્યારે હેનેટ બાઈક દ્વારા છેલ્લા ૨૧ દિવસમાં દ્વાંસા ગુજરાતમાંથી પાંચ બ્રેઇનડેડ વ્યક્તિઓના અંગદાન કરાયા છે. તેમના પરિવારજીનોને સમજ આપી ર હૃદય, ર કેકસા, ૧૦ ડિની, પ લિવર અને ટ ચ્યાન્સો સહિત કુલ ૨૭ અંગો અને ટીસ્પ્યાંગોના દાન મેળવી દરશાવા વિવિધ ચાલ્યોના કુલ ૨૫ લોન્ગન નિષ્કળતાના દરીઓને નવું જીવન આપવામાં સહાતા મળ્યો છે.

મોટી પરિવારે ગીતેશબાઈની ડિની, લિવર અને ચ્યાન્સોનું દાન કરી સમાજને નવી દિશા ચીધી

" જીતે જી રહ્યાન, બ્રેઇનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હટયાટાન..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

જીવનદાન હેલ્લા એકવીસ દિવસમાં કુલ ૨૭ અંગોના દાનથી અનેકને જીવનદાન મળ્યું

મોટ વણિક આધે અંગદાનથી પાંચ જિંડગી અજવાળી

મુતક ગીતેશ મોટીએ સમાજના અનેક લોકોને અંગદાન કરવા માટે પેરણા આપી હતી

上標誌

ରେଣ୍ଡ ହୋଇ ପର ଅବେଳା ନିଯମଙ୍କ ପ୍ରକାଶ
ପାଇଁ ଫେଟାର୍କିନ୍‌ଗର୍ଦ୍ଦର୍ମ ରେଣ୍ଡା ମାତ୍ର କହି
ସମ୍ମାନଙ୍କ ୫୦ ଲାଖି ଅପେକ୍ଷା ଅନ୍ତରାଳ
ଧ୍ୟାନ ବିଭିନ୍ନଙ୍କେ ନବକଳାନ ମାତ୍ରଙ୍କ ଛି, ମୁଣ୍ଡ
ପାଇଁ ଅନ୍ତରାଳ ମାତ୍ରାନ୍ତିରେ ଅନ୍ୟାନ୍ୟମ
ଶର୍ପେଖିକ ତରିକେ ଆମ କରିବା ଲାଗୁ ନାହିଁ
ମୁଣ୍ଡ ଖାଦ୍ୟରେ ଅନ୍ତରାଳରେ ନିଯମଙ୍କ
ଲାଗିଥାଏ ଉତ୍ତମ ଉତ୍ତମତଃ ପରେ ପାଇଁ ହେଉଛି



ନେତ୍ର ତା ରକ୍ତମୀଳା ଦେଇ ପ୍ରେକ୍ଷଣେରେ ଯୀତେଶନେ
ପୋଇନ୍ଟର୍ ଲୋକ୍ ଉପରେ କୁଣ୍ଡା ଲାଗି ଥାଏ
ଅମ୍ବାର୍ ମାଧ୍ୟମରେ
ଫୋନ୍ ଲାଇଫ୍‌କେ ଲୁହ କରାଯାଇଥାଏ
ପରିଦ୍ୟାନରେ ଅନ୍ତର୍ଜାଲ ଯଥେ ମାତ୍ରିତୀଯାର ହୁଏ
ଲାଗି ଯିପରିବଳ ଭାବରେ ଯୀତେଶ ପାଇଁ ଅଭିଭାବକ

અંગરદાન વિષે અનેકોને પેરસા આપી હતી.
જેવી પરીયાસરજુનો અંગરદાન માટે સુખમાં
બધા હતા. ત્યારાના દાનાનું મળેલી બે
કુની પડી એક કુની અમદાવાદનીને
ઘણાં પરિષ્કારને અને વીજી કુની

www.santoshgupta.org

ગ્રાતિશાળ હૃદય-કક્ષાનું દાન લઈ થકાયું
મૃતક ગેરિટેશાળ હૃદય-કક્ષાનું દાન સ્પીકારાયા માટે હેંડરાનાની કિસ્યા
લોચિપદ્ધતાના કાર્યક્રમોની તીવ્ય સ્ફૂર્ત રહાયી હતી. પરંતુ હૃદય તથા રાતાની
દ્વારાનાનં આં શાં તેવી વિસ્તારીના લોચાયો હૃદય જેણે કુંકણાના દાનનો
આસ્તીની કક્ષાનું આખા હતો. જ્યાદા રાતુંનું દાન લોકડિન્ડ્રિટ થયાર્થેનાન
એ પ્રકા વિસ્તોરાને રૂપીતાનું હત.

સાથે આપે લેખિતમાંથી બીજ કોરિડેરનું જિર્યા

टेट्युट और किसी निविल ऐन से बचने के लिए अपार्टमेंटों आवी ही तरीं। अपार्टमेंटों जानी लाईविंग वर्कशॉपों पर लाइफ और लाइब्रेरी के लिए दो कंपनी, १० किमी, ५ किमी और यात्रा महिला कला का दृष्टिकोण दिया गया है।

ડોનેટ લાઈફના વોલેન્ટિયરને અક્સમાત નડ્યો હતો
અંગાદાનની જાગૃતિ ફેલાવનાર કાર્યકરે
બ્રેનડેડ બાદ પાંચને નવજીવન આપ્યું

લેખ રિપોર્ટ | સુરત

સમાજમાં અંગાદાન અંગેની જનજ્ઞગતિના કાર્યમાં સેવારૂત ભનેલા।



શેનેટ લાઈકના
વોલેન્ટિયર પોતે
અક્સમાતમાં
શેનેડ થતા
તેમના અંગોનું
દાન કરાયું છે.
જેમના થકી 5 વ્યક્તિને નવું જીવન
મળ્યું છે.

રાદેર નવયુગ કોલેજની
સામે કોટયાર્ક નગર ખાતે રહેતા
ગીતેશાભાઈ ચંદ્રવદાન મોદી (50)

ਛਦਿ ਅਨੇ ਕੇਕਸਾਂ ਸ਼ੀਕਾਰਾਵਾ ਜਹੀ

ગીતેશભાઈની એક કિડની બરુથના 45 વર્ષીય વ્યક્તિમાં, બીજી કિડની અમદાવાદની આઇકીપીઆર્સી હોસ્પિટલમાં દર્દીને અપાઈ હતી. સુરતથી અમદાવાદ 274 ક્રીમીના માર્ગને ગ્રેન ડોરિયેર બનાવાયો હતો. લિપર નડિયાદના 54 વર્ષીય વ્યક્તિમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું હતું. કથુંઓનું પણ દાન કરાયું હતું. હેદરાબાદની કીમ્સ હોસ્પિટલના તબીબોની સુરત આવેલી ટીમે હદ્દ્ય તપાસતા તે ખરાબ હોવાનું જણાતા હદ્દ્ય- ફેક્સાનું દાન સ્વિકાર્ય ન હતું.

પાઈપ અને સેનેટરી ફિલ્ડિંગ્સનું ટ્રેડીંગ
અને વીમા એજન્ટ હતા. સાથે તેઓ
ડોનેટ લાઈફના સ્વધયમ સેવક તરીકે
સમાજમાં અંગદાન માટે જાગૃતિ
કેલાવતા હતા. 23 જૂને તેઓ
લાઈફ પર સ્ટેરાન તરફ જતા હતા

ત्यारे अज्ञाप्या वाहने टक्कर मारता
मगळभांग गंभीर ठिक थता विनस
डोस्पिटलभांसारवार ढेण्ठ उता, 27
जूने ब्रेनडे आहेर करता पत्ती रिन्हु
अने परिवारे तेमना अंगदाननो
निर्षष्ट लीपो उतो.

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

21 દિવસમાં અંગદાનની પાંચમી ઘટના : રાંદેરના બ્રેઇનડેડ યુવાનનું અંગોળું અમદાવાદમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ

રાંદેરમાં રહેતા અને એલઆઇસી એજન્ટ તેમજ સેનેટરી ફિટીંગ્સનું કામ કરતા યુવાનના પાંચ અંગોના દાનથી અન્ય પાંચ વ્યક્તિઓને નવજીવન મળ્યું

સુરત : રાંદેરના નવયુગ કોલેજની સામે કોટ્યાઈ નગરમાં રહેતા અને પાઈપ અને સેનેટરી ફિટીંગ્સનું કામ કરતા ગીતેશ ચંદ્રવદન મોદી (૩.૧.૫૦) પોતાની મોટરસાઈકલ લઈને રીંગરોડ કૃષિભજારની સામેના ફ્લાય ઓવર બ્રિજ ઉપરથી જતા હતા ત્યારે અક્સમાત થયો હતો. આ અક્સમાતમાં ગીતેશભાઈને ગંભીર ઈજા પોહંચી હતી. સારવાર માટે તેમને નજીકની વિનસ હોસ્પિટલમાં દાખલ કરાયા હતા. તપાસ દરમિયાન મગજમાં લોહીના ગઢા જામી ગયા હોવાનું નિદાન થયું હતું. થોડા દિવસની સારવાર બાદ તેમનું મૌત નીપણ્યું હતું અને ડોક્ટરોએ તેમને બ્રેઇનડેડ જાહેર કર્યા હતા.

ગીતેશભાઈના બનેવી રાજેશકુમાર ઢબુવાલાએ ડેનેટ લાઈફના પ્રમુખ નિલેશ માંડલેવાલાનો સંપર્ક કરી મૃતક ગીતેશના અંગોના દાન કરવાની ઈચ્છા વ્યક્ત કરી હતી. ગીતેશભાઈની બને ક્રીડની પૈકી એક ક્રીડનીને ભરુચના રહેવાસી અને અમદાવાદની જાયડસ હોસ્પિટલમાં દાખલ એક દાદીની ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું હતું. કિડનીને સમયસર અમદાવાદ લઈ જવા માટે શ્રીન કોરીડોર બનાવાયો હતો.



ગીતેશભાઈ ડોનેટ લાઇફમાં જ કામ કરતા હતા, તેમના અંગોળું દાન તે જ સાચી શ્રદ્ધાંજલી ગણાશે : રીકુબેન

ગીતેશભાઈના અંગોના દાન વિશે તેમની પત્ની રીકુબેન સાથે વાત કરવામાં આવતા તેઓએ કહ્યું કે, ગીતેશ હંમેશા ડોનેટલાઈફના સ્વચંસેવક તરીકે સમાજમાં અંગદાન અંગેની જનજાગૃતિ ફેલાવવાનું કાર્ય કરતા હતા. તે હંમેશા ઓર્ગન નિષ્કળતાનાદ્વારાઓનામોટા પર ખુશી જોવા માંગતા હતા. આજે જ્યારે તે અક્સમાતે બ્રેઇનડેડ જાહેર થયા છે ત્યારે તેમના અંગોના દાન થકી ઓર્ગન નિષ્કળતાના દર્દીઓને નવજીવન આપી તેઓને પરિવારના મોટા ઉપર સ્મિત લાવો, તે જ ગીતેશને સાચી શ્રદ્ધાંજલિ આપેલી ગણાશે.

" જીતે જી રત્નાન, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હલ્યાટાન..."



રાંદેરના સુરતી મોટ વણિક સમાજના આધેડના અંગદાનથી પાંચને નવજીવન

(પ્રતિનિધિ દ્વારા)

સુરત, મંગળવાર

રાંદેર રોડના સુરતી મોટ વણિક સમાજના ૫૦ વર્ષીય આધેડના અંગદાનથી પાંચ વ્યક્તિઓને નવજીવન મળ્યું છે. પરિવારે અંગદાનનો નિર્ણય લઈ માનવતાની મહેક કેલાવી સમાજને નવી દિશા બતાવી છે.

**ગીતેશ ચંદ્રવદન મોટીના હદ્ય, ફેફસા ઉપયોગમાં લઈ શકાયા
નહીં: પુત્રી કેનેડામાં ફિઝિયોથેરાપીસ્ટ, પુત્ર કેનેડામાં ભાણો છે**

રાંદેર રોડ પર નવયુગ કોલેજ પાસે કોટ્યાક નગરમાં રહેતા ૫૦ વર્ષીય ગીતેશ ચંદ્રવદન મોટી પાઈપ અને સેનેટરી ફિટિંગ્સનું ટ્રેડિંગ અને વીમા એજન્ટ તરીકે કામ કરતા હતા. તા. ૨૩ જૂન રીગરોડ પર અજ્ઞાત્યા વાહને ટક્કર મારતા ગંભીર દાલતમાં ખાનગી હોસ્પિટમાં ખસેડાયા હતા. તા. ૨૭મીએ બ્રેઇનડેડ જાહેર કરાતા ડેનેટ લાઈફ તેમના પરિવારને અંગદાન અંગે સમજીવતા તેઓ સંમત થયા હતા.

હેંદરાબાદની હોસ્પિટના ડોક્ટરોની વીમ હદ્ય, ફેફસાનું દાન સ્વીકારવા પછોચી હતી પણ તે ખરાબ હોવાથી સ્વીકાર્ય



નહોતું. દાનમાં મળેલી બે કિડની પૈકી એક કિડની ભરુયના રૂપ વર્ષીય રહીશને અને બીજી જરૂરિયાતમંદ દર્દીને અને લિવર નડિયાદના ૫૪ વર્ષીય રહીશને અમદાવાદની હોસ્પિટલમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું હતું. ચાલુઓનું દાન લોકડ્રષ્ટી બેન્કે સ્વીકાર્ય હતું.

ગીતેશના પરિવારમાં પત્ની રીકુ અને બે સંતાન છે. ૨૭ વર્ષીય પુત્રી ડો. મોના નિશાંત પટેલ કેનેડામાં ફિઝિયોથેરાપીસ્ટ છે. ૨૨ વર્ષીય પુત્ર રીશીએ કેનેડાની સરસેનફોડ ફ્લેમિંગ કોલેજમાંથી તા. ૨૪ જૂને ૪ વાયરલેસ ઇન્ફર્મેશન નેટવર્કિંગની ડિશ્રી મેળવી છે.



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

એકવીસ દિવસમાં ડોનેટ લાઈફ દ્વારા પાંચમીવાર અંગદાન મેળવાયું



મોટ્ટાં સમાજના ગીતેશ મોદીના પરિવાર દ્વારા કિડની, લિવર અને ચક્કુઓનું દાન કરાયું

કોરોના વોરિયર સભ્યને અકસ્માત નડતાં ઘેધન કેડ જાહેર કરાયાં હતાં

સુરત, તા. ૨૬

૨૧ દિવસમાં ડોનેટ લાઈફ સંસ્કારને પાંચમું અંગદાન મેળવી સતત કામગીરી જરી રાખી છે. જેમાં ડોનેટ લાઈફના સ્વયંસેવક અને શ્રી સુરતની મોટ વિસ્તિક સમાજના ખેડીનડેડ ગીતેશ ચંદ્રવદન મોદીનું ખેડીનડેડ યતાં પરિવારે અંગદાન કર્યું હતું. તેમના કિડની, લિવર અને ચક્કુઓનું દાન કરી પાંચ વ્યક્તિઓને નવકલન મળતા સમાજને નવી હિસ્સા બનાવી છે.

મંગળવારે અંગદાન સેત્ર ક્રમ કરતી સંસ્કાર પ્રોનેટ લાઈફ પોણાનો એક સ્વયંસેવક ગુમાવ્યો હતો. સંસ્કારના સેવક ત્રણ ગીતેશ મોદીને તા. ૨૩ જુનના રોજ રોડ અકસ્માતમાં મગજામાં જન્મીર ઈજ બના સુરતની વિનસ હોસ્પિટલમાં દાખલ કરાયા હતા. સારવાર દરમિયાન ૨૩ જુને ડોક્ટરોને તેને ખેડીનડેડ જાહેર કરતા ડોનેટ લાઈફ સંસ્કારાનાં નિવેશ માંડલેવાલા પોણાની સંસ્કારાની કોરોના વોરિયરની પતી રીકુને મળ્યાં હતાં અને રીકુને ગીતેશના અંગદાનનો નિષ્પય લીપો. ગીતેશની જ કિડની, લિવર અને ચક્કુઓનું દાન કરવામાં આવ્યું. ગીતેશની એક કિડનીનું દ્રાન્સપ્લાન અમદાવાદના દ્રાન્સપ્લાન હોસ્પિટલમાં અને ભીજી કિડનીનું દ્રાન્સપ્લાન અમદાવાદની જ્યારડસ હોસ્પિટલમાં દ્રાન્સપ્લાન માટે મોકલાઈ હતી.

જ્યારે લિવરનું દ્રાન્સપ્લાન અમદાવાદની સીમસ હોસ્પિટલમાં જ જરૂરિયાતમંદ દીઠીઓમાં કરવામાં આવ્યું. કિડની અને લિવર સમપસર અમદાવાદ



પદોચાડવા માટે વિનસ હોસ્પિટલથી અમદાવાદની સીમસ હોસ્પિટલ સુધીના ૨૭૪ કિ.મી. મારને ગ્રીન ક્રોરીડોર બનાવવા માટે રાજ્યના પોલીસ વિભાગનો સહકાર સાંપર્કયો હતો. કોવીડ ૧૯ ની મહામારીની ભીજી લહેર પછી આણા દેશમાં અંગદાનનું પ્રમાણ ખૂબજ ઓછું છે. ત્યારે ડોનેટ લાઈફ દ્વારા છેલ્લા એકવીસ દિવસમાં પાંચ ખેડીનડેડ વ્યક્તિઓના પરિવારજનો સાથે સમજક્ષ કેળવી ૨ હદ્દ્ય, ૨ કેંદ્રસાં, ૧૦ કિડની, ૫ લિવર અને ૮ ચક્કુઓ સહીત કુલ ૨૦ અંગો અને ટીસ્યુઓના દાન મેળવી દેશના વિવિધ રાજ્યોના કુલ ૨૭ ઓર્ગન કેટલ્યોરના દર્દીઓને નવું જીવન આપ્યું છે. સુરત અને દિલ્લી ગુજરાતમાંથી ડોનેટ લાઈફ દ્વારા ઉદ્દર કિડની, ૧૪ રીતે લિવર, ૮ પેચીઆસ, ૩૩ હદ્દ્ય, ૧૪ કેંદ્રસાં અને ૨૬૪ ચક્કુઓ કુલ ૮૦૧ અંગો અને ટીસ્યુઓનું દાન મેળવીને ૮૨૮ વ્યક્તિઓને નવું જીવન અને નવી દ્રાદિ બસવામાં સહનતા મળી છે.

" જીતે જી રત્નાન, બ્રેનડેડ કે વાદ કિડની, લિવર, હટયાટાન..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life



સુરત શહેરનાં મોદી પરિવારે

ગીતેશભાઈની કિડની, લિવર અને ચક્કનંદાન કરી સમાજને નવી દિશા બતાવી

અંગદાન-જીવનદાન

છેલ્લા ૨૧ દિવસમાં

દક્ષિણ ગુજરાતમાંથી

પાંચમું અંગદાન

સુરત, ત્રણ.૩૦

'હી મર કે આ ડિસ્કોડો યાદ આયેં, ડિસ્કો કે આસુઓ મે મુસ્કુલયાંદે, કસણા કુલ હર કલી સ બાદ-બાર, જીના પરોક્તિના નામ હૈ...' સુપરસ્ટાર રાજ કૃપુરની અનાડી કિલની આ પંક્તિનોને સાર્થક કરતા સુરતવાસી એન્ડીનડેડ

સ્વ. ગીતેશ મોદીના પરિવારેટેમના અંગેનું દાન કરી પાંચ વિકિનોને નવજીવન આપીને તેમના પરિવારજનોના મુખ પર રિમિટ રેલાયું છે.

એવીં ગેનેરેશન માટે પ્રયત્ના જીવનની સંરથા એનેટ લાઈફના સ્વથર્થસે વક સ્વ. ગીતેશભાઈ દુનિયાને અલાવિદા કર્યા આદ પણ અન્યોમાં સહેલે જીવત રહેશે. સુરતી મોઢ વિશેક સમાજના મોદી પરિવારે પોતાના સ્વજીવનના કિલની, લિવર અને ચક્કનંદાન કરી પરિવારની મહેંક કેલાવી કરી માનવતાની મહેંક કેલાવી.

સમાજને નવી દિશા ચીધી છે. છેલ્લા ૨૧ દિવસમાં સુરત અને અંકલેખરાણી પાંચમું અંગદાન થયું છે.

ગીતેશભાઈ જીવનેજીવ એનેટ લાઈફના માધ્યમથી સમાજમાં અંગદાન અંગેની જુનાજગુતિના કાર્યમાં સેવારાત લાંઠાં તેમોનોની નિષ્ઠાજીવાના દર્દીનો અને તેમના પરિવારને સહાયરૂપ કરવાના અનેક કાર્યમાં નિનિત બન્યાં, પરંતુ આ જ રસે ચાલી તેમો મૂલ્ય પાર્શ્વને પણ અંગદાન વહી બોજા પાંચ અનુસંધિત પણાં છ પણ

ગીતેશભાઈની

કિડની પાંચમું ચાલુ

બ્યાક્ટીનોને ન નું જીવન આપતાં ગયાં, સ્વ. ગીતેશ મોદીને તા. ૨૩ જુનના રોજ રોડ અનુભવતમાં મગજામાં જોખી રીતે થતા સુરતની વિનસ હોસ્પિટલમાં દાખલ કરાયા હતાં. ૧૩ દિવસની સારવરે આદ તા. ૨૩ જુનના રોજ પ્રોક્ટોને બેંટનેડ લાંદર કરતા તેમની પણી રિઝુ અને પરિવારે ગીતેશના અંગદાનનો નિર્ણય લીધો. બેંટનેડ બ્યાક્ટીના પરિવારને અંગદાન માર્ગે સમજજીવયા પડતાં હોય છે, પણ મોદી પરિવાર અંગદાનની સુપેર પરિવિત હતો. જે કાર્ય માર્ગે ગીતેશભાઈ સમર્પિત હતાં, એ જ કાર્યની જવાબદારી નિભાવવાની પણ આવી, પણ મોદી પરિવારે

જીરાય વાર બળાંજવા વિનસ સંમિત આપી. પોતાના સ્વજીવનના અંગદાન થકી પોતાની માતુસરસ્યા ટેનેટ લાઈફના માધ્યમથી ગીતેશની બે કિડની, લિવર અને ચક્કનંદાનું દાન કરવામાં આવ્યું. જેના દાયા પણે જીવિયાતમંદ દર્દીને નવજીવન મળ્યું. સ્વ. ગીતેશની બે કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદની હેલ્સ્ટેટિયુટ એન્ડ ઇક્સ્પ્રીસનેન્ડ (IKDRC) હોસ્પિટલમાં અને બેની કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદની જાપાની હોસ્પિટલમાં જ્યાદાર લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદની સીમ્સ હોસ્પિટલમાં જ્યાદાર લિવરનું દાન મેળવી દેશના વિવિધ રાજ્યોના હુલ ૨૭ અંગે અને દીસુઓના દાન મેળવી દેશના વિવિધ રાજ્યોના હુલ ૨૭ ઓગન નિષ્ઠાજીવાના દર્દીનોને નવું જીવન આપવામાં સફળતા મળી છે.

હોસ્પિટલથી અમદાવાદની સીમ્સ હોસ્પિટલ સુધીના ૨૭૪ કિ.મી.ના માર્ગને બીજી કોરિઓર જાનાવાપો હતો, જેમાં રાજ્યના વિવિધ શહેરો અને જ્ઞાન પોલોસનો સહકાર સંપર્કો હતો. નોંનીય છે કે, કોવિડ મલામારીની વીજી લહેર પણી દેશભરમાં અંગદાનનું પ્રમાણ ખૂલ જ ઓછું રહ્યું છે, ત્યારે એનેટ લાઈફ દાયા છેલ્લા ૨૧ દિવસમાં દુલ્લાલ જીવનાંથી પાંચ એન્ડીનડેડ બ્યાક્ટીનોના અંગદાન કરાયા છે. તેમના પરિવારજનોને સમજજીવાની ૨ હશ્ય, ૨ કેકસા, ૧૦ કિડની, ૫ લિવર અને ૮ ચક્કનાંનો સહિત હુલ ૨૭ અંગે અને દીસુઓના દાન મેળવી દેશના વિવિધ રાજ્યોના હુલ ૨૭ ઓગન નિષ્ઠાજીવાના દર્દીનોને નવું જીવન આપવામાં સફળતા મળી છે.

" જીતે જી રક્તાન, બ્રેનડેડ કે વાદ કિડની, લિવર, હલ્યાટાન..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

DONATE LIFE

CADAVER ORGAN DONATION FIGURES

Date: January, 2006 to 28th June, 2021

392
KIDNEY
162
LIVER
8
PANCREAS
33
HEART
14
LUNGS
294
CORNEA

DONATE LIFE™
an initiative for organ donation

Which has given new lease of life &
vision to 829 persons across the country & globe

"जीते जी रक्तान, ब्रेनडे के बाद किडनी, लिवर, हृदयादान..."